सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 124 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार 10 जून, 2026

मूल्य ₹ 3/-

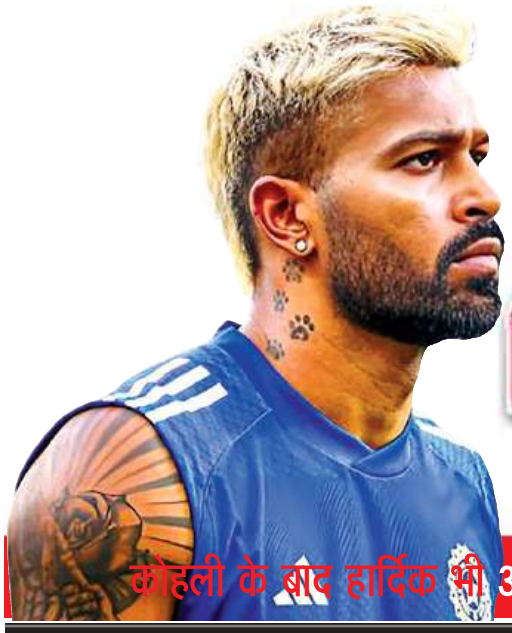

बुरी संगत में रहने से अच्छा अकेले रहना है।

-जार्ज वाशिंगटन

कोहली के बाद हार्दिक भी अफगान सीरीज... 7 | तमिलनाडु में शुरू होगी नई... 3 | विकास और रोजगार पर ध्यान... 2

हॉर्मुज पर बारूद

दुनिया पर संकट!

ताजा अमेरिका-ईरान टकराव ने बढ़ाई वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कनें

- स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज पूरी तरह से बंद, आने वाले दिनों में बढ़ सकती है किल्लत
- ईरान ने गिराये अमेरिकन अपाचे चॉपर तो बदले में अमेरिका ने मचा दी तबाही
- ईरान में तीन ठिकानों पर सिर्फ धुंआ ही धुआं
- विदेश मंत्री की यूएस को कड़ी चेतावनी हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देंगे, हमारे इलाके से दूर रहें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जिस बात की आंशका जताई जा रही थी वही हुआ। बीती रात अमेरिका ने ईरान में ऐसी तबाही मचाई है कि पूछिये मत। बदले में ईरान ने भी जार्डन और दूसरे इलाकों में अमेरिकन मिलेट्री बेस पर ताबड़तोड़ हमले कर इतिहास रच दिया। ताजे हमलों के बाद सवाल सिर्फ मिसाइलों का नहीं है।

सवाल सिर्फ अमेरिका और ईरान का नहीं है। सवाल उस समुद्री दरवाजे का है जिससे दुनिया की ऊर्जा की नसें होकर गुजरती हैं। और जब स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के ऊपर बारूद का धुआं उठता है तो उसकी गूंज दिल्ली, मुंबई, लखनऊ और जयपुर की जेब तक सुनाई देना वाजिब है। बीती रात पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है। अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर के गिराए जाने के बाद वॉशिंगटन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान से जुड़े सैन्य ठिकानों पर हमले किए। अमेरिकी प्रशासन इसे अनुपातिक जवाब बता रहा है जबकि तेहरान इसे उकसावे की कार्रवाई करार दे रहा है। दोनों पक्षों के बयान संघर्ष में तेजी लाने वाले हैं।

संघर्ष को समाप्त करने की संभावनाओं पर फिर से सवाल

इस ताजा सैन्य टकराव ने उस संघर्ष को समाप्त करने की संभावनाओं पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं जिसकी शुरुआत 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हवाई हमलों से हुई थी। इसके बाद ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल एवं गैस मार्गों में से एक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में आवाजाही को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई लगभग चार घंटे तक चली। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, करीब 20 ईरानी ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान के सरकारी मीडिया आईआरआईबी ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थित केश्म द्वीप और सीरिक बंदरगाह शहर पर भी हमले हुए। वहीं, बंदर अब्बास और जास्क के आसपास विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने दावा किया कि उसने जॉर्डन में लंबी दूरी की मिसाइलों से चार प्रमुख अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें अल-अजराक एयर बेस पर एफ-35 लड़ाकू विमानों के ठिकाने और अमेरिकी कमांड सेंटर शामिल हैं।

जार्डन व कुवैत दोनों की नजर

हालांकि, जॉर्डन की सेना ने कहा कि उसने ईरान की ओर से दागी गई पांच मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया और इस घटना में कोई हताहत या नुकसान नहीं हुआ। उधर, कुवैत की सेना ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियां संदिग्ध हवाई लक्ष्यों पर नजर रख रही हैं। यह बयान उस समय आया जब ईरान ने दावा किया कि उसने कुवैत के अली अल-सलेम अमेरिकी सैन्य अड्डे को ड्रोन हमलों से निशाना बनाया है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने बहरीन में अमेरिकी पांचवें बेड़े पर भी ड्रोन हमले का दावा किया और चेतावनी दी कि यदि सैन्य कार्रवाई जारी रही तो जवाब और अधिक सख्त होगा। इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, अमेरिका ने हमारे संकल्प की परीक्षा लेने का फैसला किया है। हमारी शक्तिशाली सशस्त्र सेनाएं किसी भी हमले या धमकी का जवाब दिए बिना नहीं छोड़ेंगी।

सबसे बड़ा डर क्या है?

हॉर्मुज दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है। यदि इस मार्ग पर सैन्य जोखिम और ज्यादा बढ़ता है और जहाजों की आवाजाही पूरी तरह से प्रभावित हो जाती है या बीमा लागत बढ़ती है तो सबसे पहले असर कच्चे तेल की कीमतों पर दिखाई देगा। और तेल महंगा हुआ तो पेट्रोल, डीजल, गैस, परिवहन, खाद्य पदार्थ–सब कुछ प्रभावित होगा। भारत के लिए यह सिर्फ विदेश नीति का मामला नहीं है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसलिए पश्चिम एशिया में हर धमाका भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक चेतावनी घंटी जैसा है। तेल महंगा होगा तो महंगाई बढ़ेगी, आयात बिल बढ़ेगा और सरकार पर अतिरिक्त दबाव आएगा। तेहरान कह रहा है कि हर हमले का जवाब दिया जाएगा। वॉशिंगटन कह रहा है कि अपने सैनिकों और हितों की रक्षा करेगा। इस बीच दुनिया के बाजार, तेल कंपनियां और निवेशक सांस रोककर अगली चाल का इंतजार कर रहे हैं। युद्ध सिर्फ मोर्चे पर नहीं लड़ा जाता। उसका असर बाजारों, बंदरगाहों, कारखानों और आम आदमी की जेब तक जाता है। और फिलहाल दुनिया उसी मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है।

अमेरिका ने ईरान के 20 तो बदले में ईरान ने 22 अमेरिकन ठिकानों पर किया जवाबी हमला

ईरान की रिवोल्यूशनरी गाड्र्स आईआरजीसी का दावा है कि उसने जॉर्डन में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे सहित खाड़ी क्षेत्र के 22 ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास अमेरिकी सैन्य हमलों के जवाब में की गई है। युद्धविराम के बाद यह अमेरिका और ईरान के बीच सबसे गंभीर सैन्य टकरावों में से एक माना जा रहा है। ईरानी हमलों का दायरा जॉर्डन के अलावा कुवैत और बहरीन तक फैला है। आईआरआईबी ने बताया है कि ईरान ने बहरीन स्थित अमेरिका के पांचवें बेड़े को भी निशाना बनाया गया है। बहरीन के गृह मंत्रालय ने एक्स के जरिए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। एयर डिफेंस सिस्टम को एक्टिवेट कर दिया गया है। बाद में बहरीन के शाही दरबार के मीडिया सलाहकार ने कहा कि देश की वायु रक्षा प्रणाली ने ईरानी हमलों को विफल कर दिया। अमेरिकी सेना सेंटकॉम ने बयान जारी कर बताया है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट ईरान के वायु रक्षा तंत्र, नियंत्रण केंद्रों और निगरानी रडार ठिकानों पर कार्रवाई की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार यह हमला अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराए जाने के जवाब में किया गया। ट्रंप का कहना है? कि हमारा जवाब बेहद मजबूत और प्रभावशाली होना चाहिए था और यही हमने किया है।

विकास और रोजगार पर ध्यान दें कार्यकर्ता : अखिलेश

» सपा प्रमुख की नसीहत- धर्म-जाति के विवादित मुद्दों से दूर रहें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए सपा ने पूरी तरह से रणनीति बनानी शुरू कर दी है। पार्टी के नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को धर्म तथा जाति से जुड़े विवादित मुद्दों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी है। पार्टी विकास, रोजगार, महंगाई, किसानों की समस्याओं और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर जनसंपर्क बढ़ाने की रणनीति पर जोर दे रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने सभी कार्यकर्ताओं, प्रवक्ताओं और पदाधिकारियों को नसीहत दी है कि वे जाति और धर्म से जुड़े विवादित मुद्दों पर पूरी तरह से चुप्पी साध लें।

सपा का मानना है कि हमारा मुकाबला जनता की समस्याओं को दबाने वाली राजनीति से है। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की दुर्दशा और आउटसोर्सिंग में युवाओं का शोषण असली मुद्दे हैं। जाति-धर्म के विवादों पर टीका-टिप्पणी करके भाजपा की पिच पर खेलने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए नेतृत्व ने सभी को विवादित विषयों पर नो-कमेंट कहकर आगे बढ़ जाने के निर्देश दिए हैं।

सपा नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं को हिदायत दी है कि वे जनता के बीच जाएं और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समेत सभी वर्गों की हकमारी के खिलाफ सकारात्मक अभियान चलाएं, न कि किसी धार्मिक या जातीय विवाद को हवा देकर विरोधियों के एजेंडे को मजबूत करें।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव प्रदेश की सभी 403 सीट पर जिताऊ फॉर्मूले के आधार पर सीटों के बंटवारे पर मंथन में जुट गए हैं. इसके लिए पार्टी के संगठन और हरेक सीट के जातीय समीकरण का सर्वे और संभावित प्रत्याशियों का फीडबैक लिया जा रहा है. सपा इस बार भी ऐसे उम्मीदवार पर दाँव लगाएगी जो सीट पर जीत सुनिश्चित कर सके और सबसे मज़बूत दावेदार हो। यूपी में समाजवादी पार्टी कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ेगी ऐसे में सपा की ओर से कांग्रेस से भी उसके दावे वाले सीटों की सूची मांगी गई हैं. इसके साथ ही उन उम्मीदवारों के नाम भी देने के लिए कहा है जिन्हें कांग्रेस चुनावी मैदान में उतारने पर विचार कर रही ही।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूपी में कांग्रेस को 80 सीटें देने के मूड में हैं, वहीं सीट बंटवारे को लेकर एक और फॉर्मूला भी सामने आ रहा है जिसके तहत हरेक जिले में एक सीट कांग्रेस को देने पर भी विचार किया जा सकता है. पार्टी का मानना है कि इससे सपा के कार्यकर्ताओं में नाराजगी नहीं होगी और कांग्रेस का भी मान बना रहेगा।

भाजपा बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने की फिराक में रहती है

सपा नेतृत्व का स्पष्ट मानना है कि भाजपा बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ऐसे मुद्दों को हवा देती है, इसलिए सपाइयों को उनके इस नैरेटिव (एजेंडे) के जाल में फंसने से बचना होगा। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, सपा ने अधिक से अधिक नए मतदाताओं को पार्टी के साथ जोड़ने की रणनीति बनाई है। इसी के तहत धर्म और जाति के विवादित मुद्दों से दूर रहने के लिए कहा गया।

जींस-टीशर्ट में दिखे अखिलेश

आमतौर पर सफेद कुर्ता-पायजामा, काली सदरी और लाल टोपी में नजर आने वाले अखिलेश यादव हाल ही में एयरपोर्ट पर कैजुअल लुक में दिखाई दिए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो दिल्ली एयरपोर्ट का है, जब अखिलेश यादव अपनी विदेश यात्रा से लौट रहे थे। वीडियो में सपा प्रमुख ब्लैक जींस और व्हाइट टी-शर्ट पहने नजर आ रहे हैं। इसके साथ उनके लंबे बाल भी लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। उनके इस बदले हुए अंदाज को देखकर एयरपोर्ट पर मौजूद लोग हैरान रह गए और कई लोगों ने उनके साथ सेल्फी भी ली।

सीआईएसएफ जवानों से हाथ मिलाया

वायरल वीडियो में अखिलेश यादव की मुलाकात सीआईएसएफ जवानों से भी होती दिखाई दे रही है। जवानों से मुस्कुराकर हाथ मिलाते हुए उनका सहज और आत्मीय व्यवहार भी लोगों को पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर यूजर्स उनके इस नए अवतार को लेकर दिलचस्प प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग उनकी तुलना पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के पुराने लंबे बालों वाले लुक से कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर 'धुरंधर', 'बिग बॉस' और 'नया स्वैग' जैसे कमेंट्स तेजी से वायरल हो रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में भी अखिलेश यादव का यह नया अंदाज चर्चा का विषय बन गया है।

राहुल गांधी के प्रति आम लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा : अजय राय

» कई जनपदों से आये सैंकड़ों की संख्या में लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कई जिलों के लोगों द्वारा सदस्यता ग्रहण करने वालों का स्वागत करते हुए कहा कि आज इतनी बड़ी संख्या में इस भीषण गर्मी में काफी दूर-दूर से लोग प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय आये हैं यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि कांग्रेस पार्टी और जनप्रिय नेता राहुल गांधी के प्रति आम लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

उन्होने कहा कि कई जिला पंचायत सदस्य और प्रधान भी कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ले रहे हैं। यह राहुल जी द्वारा आम जनता और देश के लिए उठाये जा रहे आवाज को समर्थन है और उनके प्रति प्यार और विश्वास दर्शाता है। कांग्रेस पार्टी की नीतियों में आस्था, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी , नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी , श्रीमती प्रियंका गांधी के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए आज यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय जी-पूर्व मंत्री के समक्ष सीतापुर, लखीमपुरखीरी, बरेली एवं अन्य जनपदों से आये सैंकड़ों की संख्या में विभिन्न

हम डरने वाले नहीं

महोबा में एक दलित बालिका के साथ दुराचार की जघन्य घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आवाज उठाने पर मेरे ऊपर मुकदमा कर दिया गया लेकिन हम डरेंगे नहीं और इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए मजबूती के साथ डटे रहेंगे। उन्होने निकोबार को बचाने के लिए प्रदेश कांग्रेस द्वारा चलाये जा रहे हस्ताक्षर अभियान में बढ़चढ़कर हिस्सा लेने का आवाहन करते हुए कहा कि आने वाला चुनाव महत्वपूर्ण है आप लोग अभी से इस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लें।

आम जनता और हर वर्ग त्राहिमाम करने को विवश

उन्होने देश में नोटबंदी से जहां आम जनता और हर वर्ग त्राहिमाम करने के विवश था वहीं जीएसटी जो कि देश में गब्बर सिंह टैक्स के रूप में थोपा गया व्यापारी वर्ग तबाह हो गया। कुछ दिन पहले राहुल जी ने कहा था कि आर्थिक तबाही का तूफान आने वाला है वह भी सच हो गया पहले डीजल, पेट्रोल, सीएनजी फिर कामर्शियल गैस और घरेलू गैस के दाम बेतहाशा बढ़ाये गये और आज फिर 29 रू0 दाम रात्रि में बढ़ा दिये गये, दवा, खाद्य सामग्री के दाम आसमान छू रहे हैं और यह सब मोदी सरकार की विफलता और जनविरोधी नीतियों का परिणाम है। उन्होने कहा कि आज देश में सिर्फ राहुल जी लड़ रहे हैं।

वर्गों के लोगों ने सीतापुर से सांसद राकेश राठौर जी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक श्री सोहेल अख्तर, सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 प्रमोद पाण्डेय, श्री अरूणेश यादव आदि मौजूद रहे। इस मौके पर बरेली, लखीमपुर, सीतापुर आदि जनपदों से सदस्यता ग्रहण करने वालें प्रमुख लोगों में प्रधान रविन्द्र राठौर, जिला पंचायत सदस्य राममूर्ति राठौर, फूल सिंह, राजा राम साहू, सुखवीर गुर्जर, प्रेमशंकर राठौर, प्रधान संतोष कुमार, पूर्व बीडीसी सदस्य राम प्रकाश, पूर्व बीडीसी बालक राम, राजाराम साहू, फूल सिंह सहित सैंकड़ों की संख्या में विभिन्न जनपदों से आये विभिन्न वर्गों के लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

लालू और राबड़ी का अपमान बर्दाश्त नहीं : तेजस्वी यादव

» राजद ने सीएम और भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव व राबड़ी यादव की सुरक्षा वापसी को लेकर हंगामा जारी। दोनों पुत्र व राजद नेता तेजस्वी और उनकी बहन ने इसकों लेकर भाजपा और सीएम सम्राट चौधरी पर प्रहार किया है। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को राबड़ी और लालू की सुरक्षा हटाए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि डरपोक ही सुरक्षा लेकर खड़े हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हम किसी से नहीं डरते। जनता हमारे साथ है। हमारे कार्यकर्ता साहसी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद भी सम्राट चौधरी की सोच में कोई बदलाव नहीं आया है... सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री तो बन गए,

लेकिन वो घटिया मंत्री हैं। पूर्व मुख्यमंत्री, जिन्होंने राज्य विधानसभा में विपक्ष की नेता के रूप में उन्हें आवंटित 39, हार्डिंग रोड पर जाने से इनकार कर दिया है, को इस सप्ताह की शुरुआत में सरकार की ओर से एक और झटका लगा जब उनके पूरे परिवार की सुरक्षा कम कर दी गई। आरजेडी के प्रवक्ता और पूर्व विधायक शक्ति सिंह यादव, जो गेट के सामने बैठने वाले पहले पार्टी नेताओं में से एक थे, ने आरोप लगाया कि यह सब भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की हमारे नेताओं लालू जी, राबड़ी जी और तेजस्वी जी को अपमानित करने की साजिश है। इन सभी ने अपनी सुरक्षा वापस कर दी है। लेकिन सत्ताधारी दल को इसकी कोई परवाह नहीं है, क्योंकि वह हमारे नेताओं को मरवाना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि अब से आरजेडी कार्यकर्ता अपने नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं लेंगे। मैं उनकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के रूप में यहां मौजूद हूं। मेरे साथ कई अन्य सहयोगी भी होंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

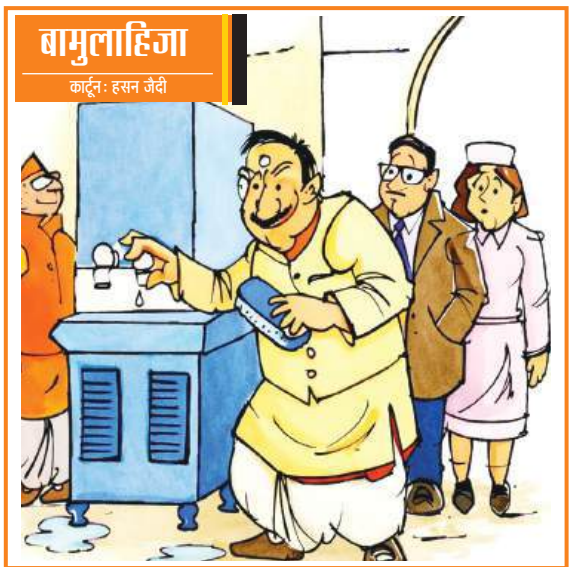

सुरक्षा हटाना असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की चाल : मीसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मीसा भारती ने लालू-राबड़ी की सुरक्षा वापसी और आवास खाली कराने के बिहार सरकार के फैसले को बेरोजगारी व महंगाई जैसे असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की राजनीतिक चाल बताया है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्रियों के प्रति ऐसे कदम पर सवाल उठाते हुए इसे एनडीए सरकार की शासन संबंधी चुनौतियों से बचने की रणनीति करार दिया है, जिससे बिहार की राजनीति में नया विवाद छिड़ गया है।

पत्रकारों से बात करते हुए भारती ने राज्य सरकार के इस फैसले के पीछे के मकसद पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री, मुख्यमंत्री और पहली महिला

मुख्यमंत्री रहीं तथा वर्तमान में विधान परिषद में विपक्ष की नेता राबड़ी देवी जैसे पदों पर रह चुके लोगों के घर उनसे खाली कराए जा रहे हैं और उनकी सुरक्षा भी वापस ले ली गई है। भारती ने एनडीए के नेतृत्व वाली बिहार सरकार पर शासन संबंधी चुनौतियों से ध्यान हटाने के लिए इस तरह की रणनीति अपनाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और महंगाई बढ़ गई है, और इन मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। जनता सब कुछ देख रही है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब बिहार सरकार ने लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की जेड-प्लस सुरक्षा को कम कर दिया। जेड-प्लस सुरक्षा हटाए जाने के बाद, पूर्व मुख्यमंत्रियों ने पटना स्थित अपने 10 सर्कुलर रोड आवास के बाहर तैनात सभी शेष सुरक्षाकर्मियों को हटा दिया, जिन्हें अद्यतन सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत नियुक्त किया गया था।

तमिलनाडु में शुरू होगी नई सियासत

विजय-अन्नामलाई लाएंगे परंपरागत राजनीति पर आफत

- टीवीके और वी द लीडर्स तमिलियन जनता में बनाएगी साख
- विजय सरकार से कांग्रेस की बढ़ेगी डिमांड
- स्थानीय निकाय चुनाव में नई सरकार की असली परीक्षा
- भाजपा के लिए आगे की राह होगी कठिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में हुए विधान सभा चुनाव के परिणाम आने के बाद से वहां की राजनीति में भी नए-नए रंग देखने को मिल रहा हैं। जहां इसबार जनता ने परंपरागत राजनीति करने वालों को हासिए पर धकेल दिया वहीं नए लोगों को मौका दिया। जैसे एक्टर विजय की पार्टी टीवीके 108 सीटें दीं और उन्होंने कांग्रेस व अन्स छोटे दलों के साथ मिलकर सरकार बना डाली। वहीं डीएमके व एआईडीएमके जैसे पार्टियों को मुहं की खानी पड़ी। सबसे ज्यादा भाजपा व कांग्रेस की फजीहत हुई।

कांग्रेस ने जहां टीवीके का साथ देकर डीएमके से दूरी बना ली। जिसके बाद डीएमके ने इंडिया गठबंधन से दूरी बना ली। उधर सुनने में आ रहा है कि कांग्रेस टीवीके सरकार से अब संतुष्ट नहीं है और अभी वह बहुत कुछ हासिल करना चाहती है। इस बीच एक नए घटनाचक्र में कभी भाजपा को तमिलनाडु में चर्चा में लाने वाले स्टार प्रचारक अन्नामलाई ने भाजपा को छोड़ दिया उनके छोड़ते भाजपा में बिखराव शुरू हो गया है, उन्होंने अपना आंदोलन शुरू करने की बात की है और उधर बीजेपी ने कहा है कि उनके जाने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। तमिलनाडु में कांग्रेस चुनाव से पहले डीएमके के साथ थी और अभी मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके सरकार का हिस्सा है। सीएम विजय से अबतक मिले फायदे से तो कांग्रेस खुश है, लेकिन भविष्य की बड़ी उम्मीदें अभी बाकी हैं। कुल मिलाकर राज्य में अब नए तरह की राजनीति आगे आने वाले दिनों में देखने को मिलेगी।

तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व प्रमुख अन्नामलाई

तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रमुख के. अन्नामलाई ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने एक नए राजनीतिक संगठन वी द लीडर्स की शुरुआत की। उन्होंने घोषणा की कि उनकी पार्टी तमिलनाडु में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो मैसेज में के. अन्नामलाई ने कहा कि उनका यह फैसला उस मिशन को आगे बढ़ाने की इच्छा से प्रेरित है, जिसने उन्हें शुरू में सार्वजनिक जीवन में आने के लिए प्रेरित किया था। अन्नामलाई ने बताया कि वह तमिलनाडु में सकारात्मक बदलाव लाने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए भाजपा में शामिल हुए थे, लेकिन अब उन्होंने एक अलग राजनीतिक रास्ता चुना है। के. अन्नामलाई ने द्रविड़ मुनेत्र कझगम और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय पर भी तीखा हमला किया और कहा कि राजनीति को किसी एक परिवार

तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। व्यक्ति-पूजा और वंशवादी राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि अब वे व्यक्ति केंद्रित राजनीति छोड़कर लोगों पर केंद्रित राजनीति बनाने के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं। उन्होंने दावा किया कि सुपरस्टार रजनीकांत समेत कई बड़ी हस्तियों ने उन्हें अपनी पार्टी में शामिल होने का आग्रह किया था, लेकिन उन्होंने अपना खुद का रास्ता चुनने का फैसला किया।

अन्नामलाई की नई पार्टी लांच

के. अन्नामलाई ने कहा कि उन्होंने भाजपा नेतृत्व को दिसंबर 2025 में पार्टी छोड़ने के अपने इरादे के बारे में बता दिया था। वरिष्ठ नेताओं ने उनसे अनुरोध किया था कि वे औपचारिक रूप से पद छोड़ने से पहले तमिलनाडु चुनाव तक पार्टी के साथ बने रहें। उन्होंने कहा कि अंतिम निर्णय लेने से पहले उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेताओं से सलाह मशविरा किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हुए अन्नामलाई ने बताया कि पिछले 18 महीनों में कई मुद्दों पर भाजपा के साथ उनके मतभेद रहे हैं। मेरे मन में यह बड़ा द्वंद्व था कि मैं बीजेपी का व्यक्ति हूं या तमिल। मैंने 4 दिसंबर 25 को पार्टी को बताया कि मैं इस्तीफा देने जा रहा हूं। पार्टी ने मुझसे कहा कि चुनाव पूरे कर लूं और फिर जाऊं।

» अन्नामलाई बोले- 18 महीने से थे बीजेपी से मतभेद

जन कल्याण के लिए करेंगे काम

अपनी राजनीतिक यात्रा को अकेले लड़ी जाने वाली लड़ाई बताते हुए उन्होंने कहा कि वह तमिलनाडु की पहचान और आकांक्षाओं के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए अपने लिए एक नया रास्ता बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व आईपीएस अधिकारी ने कहा कि वह आम लोगों के साथ मिलकर चलना चाहते हैं और जन-कल्याण पर केंद्रित राजनीति पर ध्यान देना चाहते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि राष्ट्रीय पार्टियां अक्सर तमिलनाडु के लोगों की भावनाओं और अपेक्षाओं को पूरी तरह से समझने में विफल रहती हैं।

अन्नामलाई की पार्टी, दोनों राज्यों में लड़ेगी चुनाव

अन्नामलाई ने अपनी इस पुरानी राय को दोहराया कि भाजपा को 26 का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव अकेले लड़ना चाहिए था। उनका इशारा ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम के साथ गठबंधन की ओर था। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के लिए कोई समस्या नहीं बनना चाहते थे और इसलिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। वी द लीडर्स की शुरुआत की घोषणा करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि वह और नया संगठन दोनों ही राज्य में आगामी चुनाव लड़ेंगे।

स्थानीय निकाय चुनाव

दिखेगा कांग्रेस व टीवीके की जुगलबंदी का असर

टीवीके के साथ भविष्य के संबंधों को लेकर पूछे गए सवालों पर उन्होंने जो कुछ कहा, उससे संकेत मिलते हैं कि कांग्रेस अभी भी मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की पार्टी और उनकी सरकार को वेट एंड वॉच के मोड पर रखना चाहती है। उन्होंने कहा, हमें देखना है कि संबंध कैसे उभरते हैं। अभी तक यह अच्छा है। 1967 के बाद हम राज्य सरकार का हिस्सा हैं। यह सकारात्मक है। हमें दो कैबिनेट पद और एक राज्यसभा सीट दी गई है। लेकिन, असली परीक्षा स्थानीय निकाय चुनाव है और क्या यह (गठबंधन) जमीन पर काम करता है।

कांग्रेस का भविष्य का प्लान

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के तुरंत बाद कांग्रेस ने पाला बदल कर टीवीके से गठबंधन कर लिया और डीएमके को अकेला छोड़ दिया। मुख्यमंत्री बनते ही सी जोसेफ विजय ने कांग्रेस को इसका इनाम भी दिया। पार्टी के 5 में से 2 विधायकों को अपनी कैबिनेट में जगह दी और राज्यसभा की एकमात्र सीट से इसके नेता को संसद भेजने की गारंटी भी दे दी और इसके लिए अपनी पार्टी के संसद पहुंचने के सपने से भी समझौता करने को फिलहाल तैयार हो गई। लेकिन, कांग्रेस का सीएम विजय के साथ-साथ डीएमके के लिए भी भविष्य का प्लान तैयार है। कांग्रेस के रवैए से पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भले ही नाराज हों, लेकिन कांग्रेस को लगता है कि जब भी जरूरत पड़ेगी वह डीएमके का आगे भी इस्तेमाल कर सकती है। यही नहीं, कांग्रेस विजय थलपति को भी वेट एंड वॉच मोड में रखकर चल रही है। तमिलनाडु में कांग्रेस के भविष्य की इस योजना का हिंट पार्टी सांसद कार्ति चिदंबरम ने द हिंदू को शुक्रवार को दिए एक इंटरव्यू में दिया है।

अगर सत्ता का उचित बंटवारा होता है तो गठबंधन काम करेगा

कांग्रेस को डीएमके से टीएमसी-सीपीएम जैसी उम्मीद मतलब, कांग्रेस के दिल में तमिलनाडु में जो टीस डीएमके को लेकर बाकी रह गई थी, विजय थलपति से उस पर पार्टी जरूर खरे उतरने की उम्मीद करेगी। क्योंकि, डीएमके भले ही नाराज हो, लेकिन कांग्रेस ने उससे अभी भी उम्मीदें नहीं छोड़ी हैं और उसे लगता है कि उसके जैसे ताल्लुकात लेफ्ट और टीएमसी से हैं, भविष्य में वैसे ही डीएमके साथ भी बने रहेंगे, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला बीजेपी से करना है।

जमीनी स्तर पर डीएमके व कांग्रेस कार्यकर्ताओं में कोई मेल नही : कार्ति चिदंबरम

कार्ति चिदंबरम ने कहा है कि विधानसभा चुनाव के बाद डीएमके गठबंधन से निकलने से यह जरूरी नहीं है कि राष्ट्रीय स्तर इंडिया ब्लॉक से यह खत्म हो गया है। उनका कहना है कि टीएमसी और सीपीएम से भी कांग्रेस प्रदेश स्तर पर लड़ती रही है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर सब एक ही गठबंधन का हिस्सा हैं। उन्होंने चुनाव के बाद डीएमके को झटका देकर टीवीके के साथ जाने पर यह सफाई दी कि जमीनी स्तर पर डीएमके और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में कोई मेल नहीं था। हम चुनाव जीत रहे थे, लेकिन जमीनी स्तर पर हमेशा डीएमके की ओर से सौतेला बर्ताव होता था।

कांग्रेस सांसद के मुताबिक, स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान भी सत्ता का कोई उचित बंटवारा नहीं था। दिल्ली (हाई कमान) ने तय किया कि लंबे समय के लिए हमें एक नए रिश्ते की जरूरत है और हमें एक नई पार्टी के साथ जाना चाहिए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

वेटलैंड को संरक्षित करना ही सबसे उम्दा काम

असल में वेटलैंड केवल पानी भरे गड्ढे नहीं होते। ये प्रकृति की 'किडनी' हैं, जो जल को शुद्ध करते हैं। ये भूजल का सबसे बड़ा बैंक हैं, जो धरती की प्यास बुझाते हैं। ये बाढ़ को रोकते हैं, तापमान संतुलित रखते हैं और हजारों जीव-जंतुओं व प्रवासी पक्षियों को जीवन देते हैं।

पर्यावरण दिवस मना लिया गया है। पेड़ लगाए गए कितने सूख जाएंगे ये आने वाले दिनों में पता चलेगा। एक तो भीषण गर्मी है। उपर से पानी का संकट हैं। कुछ दिनों तक तो पौधों को पानी दिया जाएगा फिर सब खत्म। फिर पौधे को जमीन से पानी लेना पड़ेगा पर अफसोस उसे नहीं मिलेगा क्योंकि केवल यूपी ही नही पूरे देश में भूगर्भ जल का स्तर नीचे होता चला गया है। राज्य के पोखर, तालाब व कुएं सब सूख चुके हैं। और जो और वेटलैंड हैं उन पर अतिक्रमण हो चुका है। अगर सरकारें चेती नहीं तो अकाल को आने से कोई नहीं रोक सकता है। असल में वेटलैंड केवल पानी भरे गड्ढे नहीं होते। ये प्रकृति की 'किडनी' हैं, जो जल को शुद्ध करते हैं। ये भूजल का सबसे बड़ा बैंक हैं, जो धरती की प्यास बुझाते हैं। ये बाढ़ को रोकते हैं, तापमान संतुलित रखते हैं और हजारों जीव-जंतुओं व प्रवासी पक्षियों को जीवन देते हैं। जब वेटलैंड सूखते हैं, तो केवल पानी नहीं खत्म होता, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र बीमार पड़ने लगता है। यूपी की राजधानी की जीव रेखा कहलाने वाली गोमती का जल स्तर इतना नीचे हो गया है कि जगह-जगह टापू दिखाई दे रहे है।

रेगिस्तान की धरती पर पानी केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी उम्मीद होता है। वहीं राजस्थान में जहां हर बूंद की कीमत समझी जाती है, वहीं विडंबना यह है कि वही प्रदेश अपने वेटलैंड तालाबों, झीलों, नाड़ियों और जलाशयों को धीरे-धीरे मरने के लिए छोड़ रहा है। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर मंडराता खतरा है। प्रदेश में 46 हजार से अधिक वेटलैंड्स हैं, लेकिन उनमें से केवल 76 ही नोटिफाइड हैं। इससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि जिन्हें कानूनी संरक्षण मिला, वे भी सीवरेज, कचरे, अतिक्रमण और सरकारी उदासीनता के शिकार हैं। उदयपुर का मेनार वेटलैंड, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रामसर साइट का दर्जा मिला, वहां गांव का गंदा पानी बह रहा है। अजमेर की आनासागर झील में 13 नालों का दूषित पानी गिर रहा है। खींचन, जहां हजारों कुरजां पक्षी दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, वहां जल स्रोत उपेक्षा की सांसें गिन रहे हैं। भरतपुर का केवलादेव, जो कभी पक्षियों का स्वर्ग माना जाता था, अब सिकुड़ते वेटलैंड क्षेत्र की पीड़ा झेल रहा है। वेटलैंड्स को बचाने के लिए बजट आता है, वह भी दूसरी जल योजनाओं में खर्च हो जाता है। संरक्षण के नाम पर केवल नोटिफिकेशन और सर्वेक्षण हो रहे हैं, जबकि जरूरत है ठोस प्रबंधन, नियमित निगरानी और जनभागीदारी की। यह भी समझना होगा कि वेटलैंड्स का भविष्य केवल सरकार के भरोसे नहीं बच सकता। गांवों, शहरों और समाज को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। जिस दिन लोग तालाबों को 'खाली जमीन' नहीं, बल्कि 'जल जीवन' मानने लगेंगे, उस दिन बदलाव शुरू होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मेडिकल शिक्षा में आमूल-चूल सुधार की जरूरत

दिनेश सी शर्मा

भारत का मेडिकल शिक्षा क्षेत्र पूरी तरह से गड़बड़ाया हुआ है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने हाल ही में पेपर लीक होने के बाद राष्ट्रीय प्रवेश एवं योग्यता परीक्षा (नीट) को रद्द कर दिया, जिसका आयोजन उसने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए किया था। पिछले साल जुलाई में, सीबीआई ने बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार घोटाले का पर्दाफाश किया था, जिसमें कथित तौर पर कई मेडिकल कॉलेज, स्वास्थ्य मंत्रालय के कई अधिकारी और नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के अधिकारी शामिल थे। ये घटनाएं संपूर्ण मेडिकल शिक्षा की शुचिता और स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता पर इसके असर को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं। इस क्षेत्र में आमूल-चूल बदलाव की जरूरत है, न कि सिर्फ छोटे-मोटे सुधारों की। भारत में डॉक्टर बनना मुश्किल प्रक्रिया है।

छात्रों को मेडिकल सीट पाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। हाल के वर्षों में सीटों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है- फिलहाल 800 कॉलेजों में कुल 1,28,000 एमबीबीएस सीटें उपलब्ध हैं। सरकार की योजना के अनुसार, अगले तीन वर्षों में 50,000 और अंडरग्रेजुएट और पोस्ट-ग्रेजुएट सीटें जोड़ी जाएंगी। फिर भी, प्रतिस्पर्धा काफी ज्यादा है। रद्द किए गए पिछले नीट में लगभग 22 लाख बच्चों ने हिस्सा लिया था। चयन होने पर, छात्र को मेडिकल कॉलेज में साढ़े पांच वर्ष का प्रशिक्षण व उसके बाद एक और प्रवेश परीक्षा पास करने पर, रेजिडेंसी प्रोग्राम में तीन साल की विशेषज्ञता हासिल करनी होती है। चूंकि मौजूदा व्यवस्था में एडमिशन के लिए नीट स्कोर ही एकमात्र मापदंड है, इसलिए इस परीक्षा की निष्पक्षता बहुत अहम है। मौजूदा गड़बड़ी के बाद चली बहस में ध्यान का केंद्र एनटीए और इस व्यवस्था की ईमानदारी सुनिश्चित करने पर है। सुझाए गए विभिन्न तकनीकी एवं भौतिक उपायों में कंप्यूटर-आधारित परीक्षा, 'जस्ट-इन-टाइम' एन्क्रिप्टेड प्रश्न पत्र जैसी सुरक्षा प्रणालियां, प्रश्न पत्रों के अनेक सेट और एआई-आधारित रैंडम प्रश्न चयन अपनाना शामिल हैं।

साल 2024 में नीट घोटाले के बाद गठित राधाकृष्णन समिति ने भी परीक्षा को निष्पक्ष बनाने को कई सिफारिशें की थीं। ऐसे त्वरित तकनीकी समाधान और परीक्षा पत्रों की भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपाय शायद अल्पकाल के लिए मददगार साबित हो सकें। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया में बुनियादी ढांचागत बदलाव

करने की जरूरत है। कई देशों में अपनाई जाने वाली समग्र मूल्यांकन प्रणाली के उलट भारत में मेडिकल ट्रेनिंग के सभी स्तरों पर प्रवेश मानकीकृत कर दी गई परीक्षा द्वारा तय किया जाता है। मेडिकल ट्रेनिंग के लिए स्कोर आधारित प्रवेश छात्रों की पात्रता का आकलन करने का सर्वोत्तम ढंग नहीं; यह कई मायनों में असमान है। नीट को सीबीएसई के पाठ्यक्रम के साथ-साथ कुछ ऐसे विषयों के आधार पर तैयार किया गया है जो स्कूल के सिलेबस से बाहर के हैं। जो बच्चे राज्य बोर्ड के सिलेबस वाले गैर-सीबीएसई स्कूलों से आते हैं उन्हें स्वाभाविक रूप से नुकसान होता है। यहां तक कि सीबीएसई स्कूलों से आने वाले छात्र भी पूरी तरह तैयार नहीं होते, क्योंकि कुछ ऐसे विषय होते हैं जो स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल ही नहीं। इस अंतर को पूरा करने के लिए, दोनों श्रेणी के छात्रों को नीट के लिए किसी न किसी किस्म की तैयारी करनी पड़ती है। इसी वजह से कई अरब डॉलर का कोचिंग उद्योग खड़ा हो गया है। यह अनेक छात्रों के लिए एक और बड़ी बाधा है, क्योंकि हर कोई कोचिंग की ऊंची फीस नहीं दे सकता। यदि वे राज्य शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम वाले स्कूलों से आते हैं और गैर-अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों से हैं, उनके लिए तो दोहरा नुकसान है। शुरुआत के लिए, प्रवेश प्रक्रिया विकेंद्रीकृत की जाना जरूरी है। अलग-अलग शिक्षा प्रणालियों और क्षेत्रीय असमानताओं वाले देश के लिए नीटज जैसा 'एक साइज सबके लिए' वाला ढंग प्रभावी नहीं। इस किस्म की मानकीकृत मूल्यांकन परीक्षा में सीखने के अलग-अलग माहौल और छात्रों की पृष्ठभूमि को ध्यान में नहीं रखा गया। इसके अलावा, एक केंद्रीकृत प्रणाली में घोटालों, हेरफेर और पेपर लीक की गुंजाइश अधिक होती है, जैसा कि 2024 व 2026 में देखा गया।

राज्यों को स्थानीय कारकों के आधार पर प्रवेश के लिए अपनी प्रक्रिया तय करने दें, वे जो भी प्रक्रिया चुनें, उसकी जवाबदेही और पारदर्शिता भी सुनिश्चित हो। चाहे सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन के लिए हाई स्कूल के अंकों और प्रवेश परीक्षा स्कोर पर आधारित मिली-जुली प्रणाली हो, या निजी कॉलेजों के लिए अलग पात्रता परीक्षा हो सकती है। राज्यों के कॉलेजों में 'ऑल-इंडिया' कोटे के तहत एडमिशन के लिए अतिरिक्त मानदंड या टेस्ट हो सकते हैं। मेडिकल एडमिशन टेस्ट की प्रकृति में भी बदलाव जरूरी है।

छोटी चीजों से आनंद और सुख की प्राप्ति

संदीप खमेसरा

अक्सर हमारे आम व्यवहार में यह सुनने को मिलता है-लीजिए यह मिठाई खाइए! नहीं-नहीं 'मन' नहीं है! पिक्चर चलते हैं। आज 'मन' नहीं है! या आज बाहर जाकर खाने का खूब 'मन' कर रहा है! गौर कीजियेगा, मन का अर्थ इच्छा से है। इच्छा, कामना, चाह यह सब 'मन' ही हैं। ये नहीं तो 'मन' भी नहीं है! कामना ही कर्म की ओर प्रेरित करती है। कामनाएं असंख्य हो सकती हैं। देश, काल और परिस्थिति के अनुसार बदलती रहती हैं। स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो बाहर जाकर खाने की कामना नहीं उठ सकती। कोई काम बिगड़ गया तो महफिल में जाने की चाह नहीं हो सकती! इच्छाओं पर दृष्टि बनी रहे और सार्थक निरर्थक का भेद करना आ जाए, तो जीवन का कल्याण संभव है। अन्यथा, मनुष्य तो ताउम्र इनका गुलाम ही बना रहेगा।

कामनाओं से मुक्ति यानी 'मन' की समाप्ति। और यही दशा परम-मुक्ति की आधारशिला बन सकती है। जीते जी परम मुक्ति! मरने के बाद, इस जीवन के संग्रहणों या बाधाओं से तो मुक्ति सभी को मिल ही जाती है। यह कोई विशेष उपलब्धि नहीं हो सकती! कुछ बहुत मौलिक जरूरतों के बीच ही लालसाएं पैदा होती हैं। इन लालसाओं का कोई अंत नहीं होता! एक कामना- खूब पैसा हो यानी जमीन-जायदाद, सोना-चांदी और बहुतायत में भोग सामग्री। दूसरी, नाम, सम्मान, प्रतिष्ठा की। ख्याति ऐसी हो कि बच्चे-बड़े सभी आदर की दृष्टि से देखें। घर में सुख-शांति हो, सभी प्रसन्न रहें यह तीसरी ख्वाइश! शरीर स्वस्थ रहे, निरोगी हों। इससे अधिक मानव क्या चाहता है? इन्हीं कामनाओं के छोटे या विकराल और वीभत्स रूप ही तो परिलक्षित होते हैं। आत्मोपलब्धि का मार्ग भी मन के रास्ते होकर ही गुजरता है। संसार में रमणातीत मानव स्वभाव अधिकांशत: यह कामना करता ही नहीं। करता भी है तो आधी-अधूरी। क्योंकि बहुत गहरे तो सांसारिक भोग की लिप्तता और लगातार पाते रहने की आकांक्षा ही उसे सुहाती है। इसलिए, बिना मन के किए गए समस्त आध्यात्मिक प्रयास विफल हो जाते हैं! कई स्मार्ट लोग अध्यात्म को भी सांसारिक चाहतों की पूर्ति से 'लिंक' कर देते हैं।

नियमित पूजा-पाठ, सत्संग, मंदिर दर्शन, ध्यान और भक्ति को वे आत्मकल्याण के लिए नहीं, सांसारिक उपलब्धियों की प्राप्ति के उपक्रम की तरह इस्तेमाल करते हैं। धर्म का सहारा लेकर भी वे अपनी कर्मभूमि में अधार्मिक कार्यों में ही संलग्न रहते हैं। भ्रम यह रखते हैं कि अंत में दोनों समायोजित हो जाएंगे! एक से अनेक हो जाने की एक तीव्र इच्छा से ईश्वर अनेक रूपों में अभिव्यक्त हो गए। बस, एक तीव्र इच्छा ही तो कुंजी है। धर्म के मार्ग पर चलने वाले श्रमण केवल एक ईमानदार और तीव्र इच्छा करें- आत्मोपलब्धी (परमात्मा प्राप्ति) की! शेष कार्य, यह इच्छा (मन) ही पूरा कर देगी। स्वयं को स्वयं से मिलाने का मार्ग मन ही निर्मित करता है। मजे की बात यह भी है कि यह मिलन करा देने के पश्चात मन विदा हो जाता है। मन की यह विदाई ही मुक्ति में परिवर्तित हो जाती है। मानव स्वभाव इच्छाओं के बारे में भी स्पष्ट नहीं है।

उसे वाकई चाहिए क्या, इस पर ही वह भ्रमित है। दिखाता कुछ और है, लेकिन भीतर चाहतें कुछ अलग भूचाल मचाती हैं। संतुष्टि का स्वांग अवश्य करता है, लेकिन मरते दम तक कामनाओं के विकास में ही लगा रहता है। चाहतों की प्राथमिकता क्या हो, इतना भी ज्ञान नहीं, लेकिन समझता स्वयं को बड़ा बुद्धिमान है। पहला सुख निरोगी काया। प्राथमिकता की फेहरिस्त में यह अव्वल स्थान पर हो। रोगी और अस्वस्थ शरीर आत्मोपलब्धी के मार्ग में बड़ी बाधा पैदा कर सकता है। हां, एक बार उपलब्ध होने के उपरांत शारीरिक दुर्बलता मायने नहीं रखती, क्योंकि तदोपरांत आप शरीर के तल से ऊपर उठकर आत्मा के तल पर जी रहे होते हैं। लेकिन इस भूमिका तक पहुंच पाने के लिए शारीरिक तप और श्रम चाहिए, जो दुर्बलता से संभव नहीं है। स्वस्थ शरीर संयम और समय दोनों मांगता है। भागमभाग भरी जिंदगी में ज्यादातर के लिए यह संभव नहीं हो पा रहा। संभव होना मुश्किल भी नहीं है, बस प्राथमिकता में नहीं है! लोगों की दूसरी प्राथमिकता है वित्तीय सुरक्षा। यहां बड़ा भारी पेच है! इसकी पूर्ति कभी पूरी होती ही नहीं, और समय रीत जाता है।

सौ वर्षों की आयु तक हद से हद कितने रुपयों की आवश्यकता हो सकती है, यह गणित लगानी है। यह उतना मुश्किल भी नहीं है! मोटा-मोटी इसकी आपूर्ति सुनिश्चित होने के उपरांत, मानव जीवन के अन्य बड़े उद्देश्यों में स्वयं को खपाना चाहिए। भक्ति, सेवा, साधना या आत्मोथान। कोई भी मार्ग, जिससे 'मैं' यानी अहंकार के गलने की प्रक्रिया प्रारंभ हो सके! बहुत छोटी-छोटी चीजों से आनंद और सुख की प्राप्ति हो जाती है। लेकिन, हमारी दृष्टि बड़ी चाहतों की आपूर्ति में लगी होने से छोटी खुशियों को लगभग नजरअंदाज कर देती हैं। चीजें ही क्यों, प्रेम, त्याग और समर्पण के सहारे भी संपूर्णता तथा आनंद की अनुभूति हो जाती है। महत्व केवल दृष्टि का है। हम देखना क्या चाहते हैं और महत्वपूर्ण आयामों को देखकर भी कितना अनदेखा कर जाते हैं! इच्छाओं के प्रति जागृति और कुछ महत्ती आध्यात्मिक इच्छाओं को पाने की भीतरी तड़प, बस इतना काफी है 'मन' के लिए। हाथ पकड़ कर नैय्या पार करा देगा!

पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है

पाचन क्रिया को दुरुस्त करने के लिए त्रिकोणासान लाभकारी होता है। यह आसन पेट के अंगों को सक्रिय करता है, जिससे गैस, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं में लाभ मिलता है। दरअसल, यह योग आपके शरीर में जरूरी पोषक तत्वों को अवशोषित करता है, जिससे आपके शरीर को एनर्जी मिलती है। नियमित रूप से इस आसन को करने से पाचन को दुरुस्त करने में मदद मिलती है। साथ ही यह डाइजेस्टिव ग्लैंड को फायदा पहुंचाने में असरदार होती है। मजबूत पाचन के लिए आप इस आसन का नियत्रित रूप से अभ्यास कर सकते हैं।

शरीर को लचीला बनाता है

त्रिकोणासन पैरों, जांघों और कंधों को मजबूत बनाता है और शरीर में संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

विधि

त्रिकोणासन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और पैरों के बीच लगभग 2 से 3 फीट की दूरी रखें। दोनों हाथों को कंधों की सीध में फैलाएं। अब दाएं पैर को 90 डिग्री बाहर की ओर मोड़ें और बाएं पैर को थोड़ा अंदर की ओर रखें। गहरी सांस लें और सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे दाईं ओर झुकें। दायां हाथ दाएं पैर, टखने या जमीन को छुए। बायां हाथ सीधा ऊपर की ओर रखें और नजरें ऊपर की ओर रखें। इस स्थिति में 20-30 सेकंड तक सामान्य सांस लेते रहें। धीरे-धीरे वापस खड़े हो जाएं और यही प्रक्रिया दूसरी ओर दोहराएं। सुबह खाली पेट करना सबसे अच्छा होता है। यदि शाम को करें तो भोजन के कम से कम 4-5 घंटे बाद करें। रोजाना 5-10 मिनट अभ्यास पर्याप्त है।

योग

केवल शरीर को लचीला बनाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण स्वास्थ्य का आधार है। उन्हीं प्रभावशाली आसनों में से एक है त्रिकोणासन जिसे अंग्रेजी में Triangle Pose कहते हैं। यह आसन शरीर को संतुलन, लचीलापन और मजबूती प्रदान करता है। नियमित अभ्यास से कमर, पेट और पैरों की चर्बी कम करने में भी मदद मिलती है। त्रिकोणासन एक सरल लेकिन अत्यंत प्रभावी योगासन है। यह न केवल शरीर को सुडौल बनाता है बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है। यदि आप रोजाना कुछ मिनट इसका अभ्यास करते हैं, तो आप अपने स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव महसूस करेंगे। त्रिकोण का अर्थ है तीन कोण और आसन का अर्थ है बैठने या स्थिर मुद्रा। इस आसन में शरीर त्रिकोण के आकार जैसा दिखाई देता है, इसलिए इसे त्रिकोणासन कहा जाता है। यह खड़े होकर किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण योगासन है।

त्रिकोणासन करने से शरीर रहता है फिट

कमर दर्द व पेट की चर्बी करे कम

त्रिकोणासन के नियमित अभ्यास से आप कमर दर्द की परेशानी को दूर कर सकते हैं। नियमित अभ्यास से रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है और कमर दर्द में आराम मिलता है। हालांकि, ध्यान रखें कि सिर्फ त्रिकोणासन करने से कमर दर्द को कम नहीं किया जा सकता है। पेट की चर्बी कम करने में सहायक है। यह आसन पेट और कमर की मांसपेशियों पर खिंचाव डालता है, जिससे अतिरिक्त चर्बी कम करने में मदद मिलती है। शरीर के बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के लिए त्रिकोणासन का अभ्यास किया जा सकता है। दरअसल, इस योग के अभ्यास से आपके शरीर में खिंचाव उत्पन्न होता है, जो शरीर के अतिरिक्त फैट को कम करने में प्रभावी माना जाता है। इसके अलावा त्रिकोणासन का नियमित अभ्यास करने से आप अपनी मांसपेशियों को मजबूत कर सकते हैं। इस योग से आपकी मांसपेशियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह आसन आपके कूल्हों और जांघ की जकड़न को कम कर सकता है। साथ ही इस आसन से आपकी बॉडी पोस्चर सही हो सकती है। त्रिकोणासन आपके ट्रंक और थाई मसल्स के लिए काफी अच्छा फिजिकल थेरेपी हो सकता है।

तनाव और चिंता कम करता है

त्रिकोणासन मन को शांत और एकाग्र बनाता है। क्योंकि योग नियमित रूप से करने से आप स्ट्रेस और चिंता विकृति को कम कर सकते हैं। दरअसल, यह योग आपकी नींद में सुधार करके आपके मूड को बेहतर कर सकता है।

हंसना मना है

एक बार किसी ने पूछा की ये शादी कब होती है? जवाब- जब आपका समय अनुकूल ना हो, राहु केतु और शनि की दशा खराब हो, आपका मंगल कमजोर हो, और भगवान ने भी आपकी मजे लेने की ठान ली हो। उस समय शादी हो जाती है!

पति- काश! मैं गणपति होता, तुम रोज मेरी पूजा करती, मुझे लड्डू खिलाती, बड़ा मजा आता.. पत्नी- काश तुम गणपति होते, मैं रोज लड्डू खिलाती, और हर साल विसर्जन करके नए गणपति घर लाती, बड़ा मजा आता..!

हम तो ऐसे ही उदासी में बैठे-बैठे, पानी में पत्थर मार रहे थे, अचानक से एक मेंढक निकला और बोला, पानी में तो आ, तेरी उदासी उतारूं.. तेरी वाली के चक्कर में तूने, मेरी वाली का सर फोड़ दिया।

संता- डॉक्टर साहब, प्लास्टिक सर्जरी में कितना खर्चा आएगा? डॉक्टर-50 हजार संता- अगर प्लास्टिक मैं लेकर दूं तो? डॉक्टर- तो पिघला कर चिपका भी लेना।

एक सफल आदमी वो है जो अपनी बीवी के खर्च से ज्यादा कमा सके..एक सफल औरत वो होती है जो ऐसा आदमी खोज सके।

2 हफ्तों से ज्यादा खासी TB बन जाती है.. अगर टाइम पे गर्लफ्रेंड ना चेंज करो तो वो बीबी बन जाती है।

कहानी | जब अर्जुन का घमंड चूर-चूर हुआ

एक बार अर्जुन को अहंकार हो गया कि वही भगवान के सबसे बड़े भक्त हैं। उनको श्रीकृष्ण ने समझ लिया। एक दिन वह अर्जुन को अपने साथ घुमाने ले गए। रास्ते में उनकी मुलाकात एक गरीब ब्राह्मण से हुई। उसका व्यवहार थोड़ा विचित्र था। वह सूखी घास खा रहा था और उसकी कमर से तलवार लटक रही थी। अर्जुन ने उससे पूछा- आप तो अहिंसा के पुजारी हैं। जीव हिंसा के भय से सूखी घास खाकर अपना गुजारा करते हैं। लेकिन फिर हिंसा का यह उपकरण तलवार क्यों आपके साथ है? ब्राह्मण ने जवाब दिया- मैं कुछ लोगों को दंडित करना चाहता हूं। आपके शत्रु कौन हैं? अर्जुन ने जिज्ञासा जाहिर की। ब्राह्मण ने कहा- मैं चार लोगों को खोज रहा हूं, ताकि उनसे अपना हिसाब चुकता कर सकूं। सबसे पहले तो मुझे नारद की तलाश है। नारद मेरे प्रभु को आराम नहीं करने देते, सदा भजन-कीर्तन कर उन्हें जागृत रखते हैं। फिर मैं द्रौपदी पर भी बहुत क्रोधित हूं। उसने मेरे प्रभु को ठीक उसी समय पुकारा, जब वह भोजन करने बैठे थे। उन्हें तत्काल खाना छोड़ पांडवों को दुर्वासा ऋषि के शाप से बचाने जाना पड़ा। उसकी धृष्टता तो देखिए। उसने मेरे भगवान को जूठा खाना खिलाया। आपका तीसरा शत्रु कौन है? अर्जुन ने पूछा। वह है हृदयहीन प्रह्लाद। उस निर्दयी ने मेरे प्रभु को गरम तेल के कड़ाह में प्रविष्ट कराया, हाथी के पैरों तले कुचलवाया और अंत में खंभे से प्रकट होने के लिए विवश किया। और चौथा शत्रु है अर्जुन। उसकी दुष्टता देखिए। उसने मेरे भगवान को अपना सारथी बना डाला। उसे भगवान की असुविधा का तनिक भी ध्यान नहीं रहा। कितना कष्ट हुआ होगा मेरे प्रभु को! यह कहते ही ब्राह्मण की आंखों में आंसू आ गए। यह देख अर्जुन का घमंड चूर-चूर हो गया। उसने श्रीकृष्ण से क्षमा मांगते हुए कहा- मान गया प्रभु, इस संसार में न जाने आपके कितने तरह के भक्त हैं। मैं तो कुछ भी नहीं हूं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे।

वृषभ मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है।

कर्क चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें।

सिंह शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा।

कन्या दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

तुला कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। परिवार एवं समाज में आपके कामों को महत्व एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा।

वृश्चिक चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी।

धनु पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। कार्य में भागीदार सहयोग करेंगे।

मकर घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे।

कुम्भ शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं।

मीन घर-परिवार की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम न लें। अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी।

28 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी श्रद्धा कपूर की नई फिल्म ईथा

श्रद्धा कपूर के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। सुपरहिट फिल्म स्त्री 2 के बाद, फैंस श्रद्धा की अगली फिल्म ईथा का काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। अब मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर इस फिल्म की रिलीज का एलान कर दिया है।

श्रद्धा कपूर की फिल्म ईथा इसी साल 28 अगस्त को 2026 को रक्षाबंधन के त्योहार पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साल 2025 में फिल्म छावा बनाने के बाद, निर्माता दिनेश विजन और निर्देशक लक्ष्मण उतेकर एक बार फिर इस फिल्म के

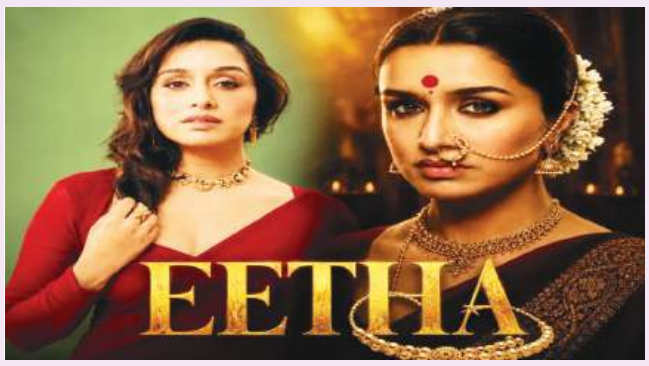

लिए साथ आए हैं।

इस फिल्म में श्रद्धा कपूर के साथ रणदीप हुडा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। ईथा की कहानी महाराष्ट्र की मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार विथाबाई भाऊ मंग नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित एक बायोपिक है। इसमें 1940 से लेकर 1990 के दशक तक के उनके सफर, उनकी सफलता और उनके जीवन के संघर्षों को दिखाया जाएगा। श्रद्धा कपूर की पिछली फिल्म स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकारों से सजी यह फिल्म हिंदी सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार ने भी एक कैमियो किया था।

मेरी टीम पूरी कोशिश कर रही है कि फिल्म 'नो एंट्री 2' बनकर जल्द तैयार हो : अनीस बज्मी

हाल ही में फिल्म को लेकर देरी, शेड्यूल की दिक्कतों और कास्ट में बदलाव की खबरें सामने आई थीं। इस लंबे समय से इंतजार की जा रही सीक्वल को लेकर काफी समय से अनिश्चितता बनी हुई है, लेकिन फिल्म अब भी चर्चा में बनी हुई है। उम्मीद की जा रही है कि इस बार फिल्म में वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ जैसे नए कलाकार नजर आएंगे।

देरी को लेकर बात करते हुए अनीस बज्मी ने कहा कि कुछ फिल्मों को बनने में उम्मीद से ज्यादा समय लग जाता है, लेकिन टीम पूरी कोशिश कर रही है कि 'नो एंट्री 2' बनकर तैयार हो। उन्होंने कहा, 'कुछ फिल्मों की कुंडली होती है। मैं मानता हूं कि कुंडली होती है। कभी कोई फिल्म जल्दी बन जाती है, कभी देर से बनती है। लेकिन इंशाल्लाह, हम सबकी कोशिश है कि ये फिल्म बने।'

फिल्ममेकर ने आगे बताया कि उन्होंने 'नो एंट्री 2' को बहुत प्यार से

लिखा है और यह उनकी सबसे अच्छी लिखी गई फिल्मों में से एक है। उन्होंने माना कि इस प्रोजेक्ट में समय लगा है, लेकिन फिल्म जरूर आगे बढ़ रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म से जुड़े सभी लोग इसे लेकर काफी एक्साइटेड हैं और उन्हें पूरा भरोसा है कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। 'जो भी लोग इस फिल्म से जुड़े हुए हैं, सब बहुत एक्साइटेड हैं। और लोग इस फिल्म को बहुत पसंद करेंगे,' उन्होंने कहा।

फिल्म की ऑफिशियल कास्ट और इसकी रिलीज डेट को लेकर अभी फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है।

बॉलीवुड | मन की बात

बैन करना तो अब मुझे बच्चों का खेल लगता है : कंगना

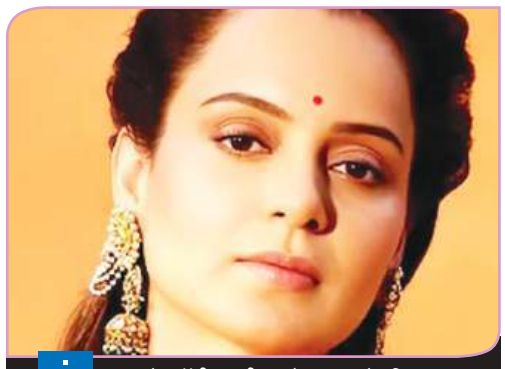

कंगना रनौत बॉलीवुड की सबसे धाकड़ और बिंदास एक्ट्रेस हैं। कंगना हमेशा बेबाक होकर अपनी बात दुनिया के सामने रखती हैं। उनका नो फिल्टर एटीट्यूड फैंस को पसंद आता है। बॉलीवुड इंडस्ट्री को लेकर भी कंगना कई बार बड़े-बड़े खुलासे कर चुकी हैं। अब उन्होंने एक बार फिर बहुत बड़ा दावा किया है। दरअसल, बीते कुछ समय से रणवीर सिंह डॉन 3 को लेकर चल रहे विवाद को लेकर चर्चा में हैं। डॉन 3 से बाहर होने पर रणवीर को FWICE ने बैन करने का ऐलान किया था। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने रणवीर के खिलाफ नॉन कोऑपरेशन डायरेक्टिव जारी किया था, जिसे बाद में वापस ले लिया गया। रणवीर को लेकर FWICE के एक्शन पर अब कंगना रनौत ने अपना रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा कि कंट्रोवर्सी अक्सर सक्सेस का एक ऐसा हिस्सा होती हैं, जिनसे बचा नहीं जा सकता। रणवीर को लेकर इस समय जो जांच-परख या आलोचना हो रही है, वो कोई नई या अनोखी बात नहीं है। रणवीर को लेकर हुई कंट्रोवर्सी देख कंगना को अपने करियर का मुश्किल दौर याद आ गया। मुश्किल वक्त को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने आलोचना और इंडस्ट्री से मिलने वाले विरोध के साथ बहुत पहले ही जीना सीख लिया था। कंगना ने कहा- हां, बिल्कुल... मुझे सबसे पहले बैन किया गया था। उन्होंने मुझ पर मुकदमे दर्ज किए। उन्होंने मुझे कानूनी तौर पर फंसाने की कोशिश की। उन्होंने मुझे जेल में डालने की भी कोशिश की। कंगना आगे बोलीं- एक समय ऐसा था जब मुझ पर इतने सारे केस दर्ज थे कि मेरा वकील बस उन्हीं की तारीखों पर चक्कर काट रहा था। यह बिल्कुल ऐसा था जैसे पेशियां ही पेशियां हो रही थीं और उसके बाद मीडिया ने मुझे बैन कर दिया था। यह मीडिया की तरफ से एक बहुत बड़ा बैन था। कंगना आगे हंसकर बोलीं- मैं तो गुरु हूं। मैं तो यही कहूंगी कि मुझे तो सालों तक इतना बैन किया गया है। मुझे तो अब ये सब बच्चों का खेल लगता है।

इस देश में किराए पर मिल रहा साथी, पति की तरह रखता है ख्याल, शॉपिंग से लेकर मूवी तक में देता है साथ

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग पैसों से तो अमीर हो रहे हैं, लेकिन रिश्तों और अपनेपन से दूर होते जा रहे हैं। बड़े शहरों की चमक-दमक के बीच कई लोग ऐसे हैं जिनके पास अच्छी नौकरी, पैसा और सुविधाएं तो हैं, लेकिन साथ बैठकर बात करने वाला कोई नहीं है। शायद यही वजह है कि अब अकेलापन भी एक बड़ा बिजनेस बनता जा रहा है। चीन से सामने आई एक खबर इन दिनों खूब चर्चा में है, जहां लोग अब दोस्ती और साथ निभाने के लिए किराए पर साथी बुक कर रहे हैं। दरअसल, चीन में तेजी से बदलती लाइफस्टाइल और काम के बढ़ते दबाव ने लोगों को इमोशनल रूप से काफी अकेला कर दिया है। वहां के कई युवा अब शादी और रिश्तों से दूरी बना रहे हैं। लोग घंटों ऑफिस में काम करते हैं और उनके पास परिवार या दोस्तों के लिए समय नहीं बचता। ऐसे में अब एक नया ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है, जिसे कंपैनियनशिप इकोनॉमी कहा जा रहा है। इस ट्रेंड के तहत लोग पैसे देकर ऐसे साथी बुक करते हैं जो उनके साथ घूमने जाएं, खाना खाएं, फिल्म देखें या सिर्फ बातचीत करें। यह रिश्ता प्यार या शादी जैसा नहीं होता, बल्कि कुछ घंटों के लिए साथ निभाने जैसा होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन में कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ऐसे लोगों को जोड़ रहे हैं जिन्हें साथ चाहिए और जो पैसे लेकर साथ देने को तैयार हैं। कोई शॉपिंग पर साथ जाता है, कोई कॉफी पीने, तो कोई अकेले ट्रैवल न करने के लिए साथी बुक करता है। दिलचस्प बात यह है कि यह सिर्फ युवाओं तक सीमित नहीं है। कई बुजुर्ग लोग भी अकेलेपन से बचने के लिए इस तरह की सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। चीन में यह बिजनेस अब हजारों करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। कई छोटी कंपनियां कुछ ही सालों में बड़ी बन गई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, कुछ स्टार्टअप्स में कर्मचारियों की संख्या 10 से बढ़कर सैकड़ों तक पहुंच गई है। इससे साफ है कि लोगों के बीच इमोशनल जुड़ाव की जेरूरत कितनी तेजी से बढ़ रही है। पहले लोग सोशल मीडिया पर दोस्त तलाशते थे, लेकिन अब लोग असल जिंदगी में किसी का साथ चाहते हैं, भले ही उसके लिए पैसे ही क्यों न देने पड़ें। एक शख्स, जो इसी काम से जुड़ा हुआ है, उसने बताया कि कुछ महीने पहले उसे पता चला कि लोगों के साथ ट्रैवल करके भी पैसे कमाए जा सकते हैं। इसके बाद वह भी इस काम में शामिल हो गया। अब वह लोगों का साथी बनकर हर महीने अच्छी कमाई कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, वह महीने में करीब 50 से 70 हजार रुपये तक कमा लेता है।

अजब-गजब | दुनिया की सबसे अनोखी शराब

इस शराब की बोतल के अंदर ही पड़ा रहता है सांप

दुनिया में खाने-पीने की ऐसी कई चीजें हैं, जिनके बारे में सुनकर ही लोगों को हैरानी होने लगती है। कहीं लोग कीड़े खाते हैं, तो कहीं जिंदा ऑक्टोपस परोसा जाता है। लेकिन कुछ चीजें ऐसी भी हैं, जिनके बारे में जानकर डर और हैरानी दोनों महसूस होते हैं। ऐसी ही एक अजीब ड्रिंक है स्नेक वाइन, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर काफी होती है। इस शराब की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसकी बोतल के अंदर पूरा सांप पड़ा होता है। कई बार सांप को बोतल में जिंदा डाला जाता है और फिर उसके ऊपर शराब भर दी जाती है। यही वजह है कि इसे दुनिया की सबसे खतरनाक और अजीब शराबों में गिना जाता है।

नाम से ही साफ है कि स्नेक वाइन यानी सांप से बनाई जाने वाली शराब। आमतौर पर वाइन अंगूर या फलों से तैयार की जाती है, लेकिन स्नेक वाइन में जहरीले सांपों का इस्तेमाल किया जाता है। स्नेक वाइन सबसे ज्यादा चीन में बनाई जाती है। चीनी भाषा में इसे 卐पिनयिन卐 और वियतनामी भाषा में 卐खमेर卐 कहा जाता है। माना जाता है कि इस खास शराब को पहली बार पश्चिमी झोउ वंश के दौरान तैयार किया गया था। इसके बाद धीरे-धीरे यह चीन में काफी लोकप्रिय हो गई। इस शराब का इस्तेमाल मुख्य रूप से पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है। चीन के अलावा स्नेक वाइन दक्षिण-पूर्व एशिया के कई

देशों में भी बनाई और पी जाती है। उत्तर कोरिया, लाओस, थाईलैंड, वियतनाम, जापान के ओकिनावा क्षेत्र और कंबोडिया में भी यह काफी ज्यादा लोकप्रिय है।

स्नेक वाइन बनाने के लिए जिंदा या मरे हुए सांप को एक कांच की बोतल या जार में रखा जाता है। इसके बाद उसमें चावल, गेहूं या दूसरे अनाज से बनी शराब डालकर कई महीनों तक किण्वन के लिए छोड़ दिया जाता है। कुछ जगहों पर इसमेंफॉर्मेल्डिहाइड जैसे केमिकल भी मिलाए जाते हैं, ताकि सांप लंबे समय तक सुरक्षित रह सके। वियतनाम और कुछ एशियाई देशों में सांप को ताकत, गर्मी और मर्दानगी का प्रतीक माना जाता है। यही वजह है कि वहां स्नेक वाइन काफी लोकप्रिय है।

कहा जाता है कि स्नेक वाइन का इस्तेमाल पारंपरिक चिकित्सा में कई तरह की समस्याओं के लिए किया जाता है। कुछ लोग मानते हैं कि यह कुष्ठ रोग, अत्यधिक पसीना आना, बाल झड़ना, शुष्क त्वचा जैसी परेशानियों में फायदेमंद हो सकती है। यही वजह है कि कई एशियाई देशों में इसे एक तरह के टॉनिक के रूप में देखा जाता है।कई लोग इसे पारंपरिक दवा और शरीर की ताकत बढ़ाने वाले पेय के रूप में भी इस्तेमाल करते हैं। चीन, जापान और ताइवान जैसे देशों में सड़क किनारे लगे स्टॉल और छोटी दुकानों पर भी स्नेक वाइन आसानी से देखने को मिल जाती है।

अगर स्नेक वाइन सही तरीके और भरोसेमंद जगह से बनाई गई हो, तो कुछ लोग इसे सुरक्षित मानते हैं। लेकिन इसके बावजूद इसमें खतरा बना रहता है। कई बार ऐसे मामले सामने आए हैं, जब बोतल के अंदर मौजूद सांप पूरी तरह मरा नहीं होता। साल 2013 में एक महिला के साथ ऐसा हादसा हुआ था। जैसे ही उसने स्नेक वाइन की बोतल खोली, अंदर मौजूद सांप ने उसे काट लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ सांप कई महीनों तक बिना खाना-पानी के भी जिंदा रह सकते हैं। यही वजह है कि स्नेक वाइन को बेहद सावधानी से संभालने की सलाह दी जाती है।

महाजन के बयान से पंजाब में सियासी भूचाल

कांग्रेस और शिवसेना यूबीटी ने की बर्खास्त करने की मांग

» भाजपा नेता ब्लू स्टार को काला दिन और मारे गए लोगों को शहीद बताकर फंसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा नेता गिरीश महाजन ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को काला दिन और मारे गए लोगों को शहीद बताकर राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है, जिसके बाद कांग्रेस और शिवसेना (उबाठा) ने उन पर खालिस्तान मुद्दे को हवा देने का आरोप लगाते हुए मंत्री पद से हटाने की मांग की है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री गिरीश महाजन ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' को काला दिन करार देकर और सैन्य कार्रवाई में मारे गए लोगों कोशहीद बताकर विवाद खड़ा कर दिया है। महाजन ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' की तुलना स्वर्ण मंदिर पर अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली के आक्रमण से करते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आलोचना भी की।

'ऑपरेशन ब्लू स्टार' की बरसी में हिस्सा लेने वाले किसी राज्य सरकार के पहले प्रतिनिधि बने। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा, लिए 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' एक काला दिन है। इसमें हमारे भाई-बहन मारे गए। महाजन ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' को सिख समुदाय के पवित्र स्थल पर सैन्य हमला करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सेना को जबरदस्ती पंजाब और पवित्र स्थल (स्वर्ण मंदिर) के अंदर भेजा था। महाजन ने कहा, यह हमारे पवित्र स्थल पर एक सैन्य हमला था। इंदिराजी ने जबरदस्ती उन्हें (सेना को) पंजाब और हमारे पवित्र स्थल पर भेजा।उन्होंने सैन्य कार्रवाई की तुलना स्वर्ण मंदिर पर अब्दाली के आक्रमण से की और कहा कि 1984 में सिख तीर्थस्थल पर हुए सैन्य हमले ने समुदाय को गहरा दुख पहुंचाया था। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के दौरान सिखों की बेरहमी से हत्या की गई और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को कभी दंडित नहीं किया गया। उन्होंने कहा, ऐसी भीषण त्रासदी घटी। मैं इसे दुर्घटना नहीं कहूंगा, बल्कि एक सोची-समझी साजिश कहूंगा, जिसमें हमारे कई भाई-बहन मारे गए। इसके बाद भी किसी को सजा नहीं मिली। 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' सशस्त्र बलों की ओर से एक से 10 जून 1984 के बीच चलाया गया सैन्य अभियान था, जिसका घोषित उद्देश्य दमदमी टकसाल के नेता जरनैल सिंह भिंडरांवाले और अन्य उग्रवादियों को स्वर्ण मंदिर परिसर से हटाना था। इस अभियान के बाद पंजाब में आतंकवाद की शुरुआत हुई थी। कांग्रेस ने महाजन की टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले खालिस्तान के मुद्दे को हवा देने का आरोप लगाया। चुनावी लाभ के लिए दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप भी लगाया।

खालिस्तान के मुद्दे को हवा दे रही बीजेपी

भारत को एकजुट रखने के लिए यह जरूरी था: वडेट्टीवार

महाराष्ट्र में कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने सैन्य कार्रवाई का आदेश देने के इंदिरा गांधी के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि भारत को एकजुट रखने के लिए यह जरूरी था। वडेट्टीवार ने कहा, अगर इंदिरा जी के कार्यकाल में वह निर्णय नहीं लिया गया होता, तो शायद भारत दो हिस्सों में बंट गया होता और अविभाजित भारत की अवधारणा ही नहीं बचती। उन्होंने कहा कि ('ऑपरेशन ब्लू स्टार' से जुड़े) फैसले को उस समय देश में व्याप्त परिस्थितियों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। वडेट्टीवार ने कहा, लोग विषय को समझे बिना ही टिप्पणी करते हैं। वे इसके बारे में कुछ न जानते हुए भी कुछ बोलना चाहते हैं।

महाजन को महाराष्ट्र मंत्रिमंडल और भाजपा से बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए : राउत

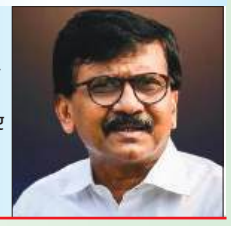

वहीं, शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत ने कहा कि महाजन को राज्य मंत्रिमंडल और भाजपा से बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए।

अहंकार में डूबी है आंध्र की एनडीए सरकार : वांगवेती नरेंद्र

» स्टील प्लांट त्रासदी मामले में पीड़ितों से असंवेदनशील व्यवहार का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। वाईएसआरसीपी ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश के हाल ही में विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र त्रासदी में जान गंवाने वाले पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात के दौरान किए गए व्यवहार की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि उनकी टिप्पणियां अहंकार और असंवेदनशीलता को दर्शाती हैं। वाईएसआरसीपी के प्रवक्ता वांगवेती नरेंद्र ने लोकेश पर ट्रेड यूनियन नेताओं और शोक संतप्त परिवारों से बातचीत के दौरान एक जन प्रतिनिधि के लिए अशोभनीय रवैया अपनाने का आरोप लगाया।

नरेंद्र के अनुसार, लोकेश का व्यवहार उस समय सत्ता के अहंकार को दर्शाता है जब पीड़ित परिवार गहरे दुख और क्षति से जूझ रहे थे। नरेंद्र ने कहा, उन्हें धैर्य, विनम्रता और करुणा दिखानी चाहिए थी। इसके बजाय, उन्होंने ट्रेड यूनियन नेताओं द्वारा उठाए गए मुद्दों पर जिस तरह से प्रतिक्रिया दी, वह दुखद परिस्थितियों के लिए असंवेदनशील और अनुचित थी। वाईएसआरसीपी नेता ने कहा कि औद्योगिक दुर्घटनाओं से प्रभावित श्रमिकों और परिवारों की चिंताओं को उठाने में ट्रेड यूनियनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकेश की प्रतिक्रियाओं में स्थिति की गंभीरता झलकती नहीं है।

डीएमके ने सरकार गिराने का दावा कभी नहीं किया : थेन्नारासु

» पूर्व मंत्री बोले- स्टालिन के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मंत्री और डीएमके नेता थंगम थेन्नारासु ने कहा कि डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन द्वारा राज्य सरकार के प्रदर्शन के बारे में की गई टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। थेन्नारासु ने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी का उद्देश्य सरकार को भंग करना या गिराना नहीं है। डीएमके के विरुधुनगर उत्तर जिला सचिव के रूप में कार्यरत थेन्नारासु ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि स्टालिन की टिप्पणियों को गलत तरीके से इस भविष्यवाणी के रूप में प्रस्तुत किया गया है कि सरकार तीन महीने के भीतर गिर जाएगी।

बयान में स्पष्ट किया गया कि स्टालिन ने पहले कहा था कि डीएमके नव निर्वाचित सरकार की छह महीने तक आलोचना नहीं करेगी। हालांकि, थेन्नारासु ने बताया कि राज्य में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए विपक्षी दल को अपनी चिंता व्यक्त करने के लिए मजबूर होना पड़ा। बयान में कहा गया है कि हालांकि हमारे पार्टी अध्यक्ष एमके स्टालिन ने कहा था कि हम इस सरकार की छह महीने तक आलोचना नहीं करेंगे, लेकिन स्थिति बेहद खराब होने के कारण उन्हें बोलना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार इस तरह से काम कर रही है कि संदेह होता है कि यह छह महीने तो दूर, तीन महीने भी टिक पाएगी या नहीं। उनके बयान को अब तोड़-मरोड़ कर इस तरह फैलाया जा रहा है जैसे उन्होंने कहा हो कि सरकार तीन महीने के भीतर गिर जाएगी।

नई सरकार बनने के बाद से राज्य में बढ़े अपराध

थेन्नारासु ने आरोप लगाया कि एक महीने पहले नई सरकार बनने के बाद से हत्याएं, लूटपाट, यौन उत्पीड़न, नशीले पदार्थों की तस्करी, चाकू से हमले, पेट्रोल बम हमले, बिजली कटौती और किसानों के विरोध प्रदर्शन जैसी घटनाएं सार्वजनिक चर्चा का प्रमुख विषय बनी हुई हैं। स्टालिन की टिप्पणियों को लेकर कुछ राजनीतिक नेताओं की आलोचना का जवाब देते हुए थेन्नारासु ने जोर देकर कहा कि डीएमके प्रमुख ने कभी भी सरकार को हटाने की मांग नहीं की।

नटराजन का नामांकन रद्द होना कांग्रेस की अंदरूनी साजिश: सारंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने का मामला अब एक बेहद गंभीर और सनसनीखेज सियासी मोड़ ले चुका है। इस घटनाक्रम पर मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने एक तीखा और बड़ा बयान देकर राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है।

मंत्री ने दावा किया है कि मीनाक्षी का पर्चा खारिज होना कोई प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि कांग्रेस के भीतर चल रहे गहरे अविश्वास और अंदरूनी अंतर्कलह का नतीजा है। कांग्रेस नेता खुद ही एक कथित आपराधिक मामले से जुड़े नोटिस की फोटोकॉपी फैला रहे थे ताकि नॉमिनेशन के नतीजे को प्रभावित किया जा सके और इस प्रक्रिया को बदनाम किया जा सके। उनकी यह टिप्पणी भाजपा और विपक्ष के बीच नॉमिनेशन को लेकर बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच आई है।

कोहली के बाद हार्दिक भी अफगान सीरीज से बाहर

» रोहित शर्मा ने फिटनेस टेस्ट किया पास, सीओई ने खेलने की दी मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज शुरू होने से पहले बड़ा झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ताजा चोट के कारण तीन मैचों की पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। पांड्या को बंगलूरू स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस आकलन के दौरान क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव आ गया। हार्दिक हाल ही में आईपीएल के दौरान लगी पीठ की ऐंठन से उबर रहे थे। हालांकि रोहित शर्मा को सीओई ने खेलने की मंजूरी दे दी है, लेकिन फिटनेस टेस्ट के दौरान पांड्या की नई चोट सामने आने से उनकी वापसी टल गई।

हार्दिक ने फिटनेस टेस्ट के दौरान 10 ओवर गेंदबाजी की थी। हालांकि, इसी दौरान उनकी क्वाड्रिसेप्स मांसपेशी में खिंचाव आ गया। बताया जा रहा है कि यह चोट इतनी गंभीर है कि उन्हें कम से कम तीन सप्ताह तक रिहैब प्रक्रिया से गुजरना होगा। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में उनके खेलने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि तब तक उनका रिहैब पूरा नहीं हो पाएगा। पांड्या को हाल ही में भारतीय टी20 टीम से आराम दिया गया था ताकि वह वनडे क्रिकेट पर अधिक ध्यान दे सकें। चयन समिति और टीम प्रबंधन की नजर 2027 वनडे विश्व कप पर है और हार्दिक को उस योजना का अहम हिस्सा माना जा रहा है। 2023 वनडे विश्व कप के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ मैच में लगी टखने की चोट के बाद टीम इंडिया को संतुलन बनाने में काफी परेशानी हुई थी। यही कारण है कि टीम प्रबंधन हार्दिक की फिटनेस को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। हार्दिक के लिए चिंता की बात यह है कि अफगानिस्तान सीरीज के बाद अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ भी तीन वनडे मैच खेले जाने हैं। भारतीय टीम उम्मीद करेंगे कि वह समय पर फिट होकर वापसी करें, क्योंकि आगामी बड़े टूर्नामेंटों को देखते हुए उनका पूरी तरह फिट रहना टीम की प्राथमिकताओं में शामिल है। भारतीय टीम के लिए यह झटका जरूर है, लेकिन टीम प्रबंधन किसी भी तरह का जोखिम लेने के बजाय हार्दिक को पूरी तरह फिट होने का समय देना चाहता है।

रोमांचक मुकाबले में भारत ए ने श्रीलंका को 8 रन से हराया

दांबुला। ऋतुराज गायकवाड़ के शतक के बाद गेंदबाज के दमदार प्रदर्शन ने भारत ए ने त्रिकोणीय सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका ए को आठ रन से हराया। भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में छह विकेट पर 277 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ए की पूरी टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका को अंतिम ओवरों में सात रन के भीतर चार विकेट गंवाना भारी पड़ा और भारत ए ने इस तरह उसके मुंह से जीत छीन ली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका ए को निशेसन डिकवेला और अविष्का फर्नांडो ने अच्छी शुरुआत दिलाई। अचारिगे 74 रन बनाकर आउट हुए। अचारिगे जब पवेलियन लौटे तो श्रीलंका का स्कोर सात विकेट पर 262 रना था। लेकिन श्रीलंका ए ने सात रन के भीतर आखिरी के चार विकेट गंवा दिए और भारत जीत दर्ज करने में सफल रहा।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से किए वादों को तोड़ रहे पीएम मोदी : खरगे

» उज्ज्वला योजना के तहत रियायती एलपीजी सिलेंडर रिफिल की संख्या 12 से घटाकर मात्र 4 करने पर भड़की कांग्रेस

» अध्यक्ष बोले-लोग पारंपरिक चूल्हों पर लौटने को मजबूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उज्ज्वला योजना के तहत रियायती एलपीजी सिलेंडर रिफिल की संख्या 12 से घटाकर मात्र 4 करने पर मोदी सरकार पर कांग्रेस ने करारा प्रहार किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार पर महिला कल्याण के दावों के बावजूद गरीब परिवारों की उपेक्षा करने और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से किए वादों को तोड़ने का आरोप लगाया, जिससे लोग पारंपरिक चूल्हों पर लौटने को मजबूर हैं।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत रियायती एलपीजी सिलेंडर रिफिल में कटौती को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की और मोदी सरकार पर महिला कल्याण का दावा करते हुए गरीब परिवारों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लगाया कि सरकार लगातार कल्याणकारी योजनाओं में कटौती कर रही है और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है।

भाजपा मगरमच्छ के आंसू बहाती है, सत्ता के नशे में चूर है!

उन्होंने यह भी दावा किया कि बार-बार एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण लाखों लाभार्थियों के लिए रिफिल कराना महंगा हो गया है। खरगे ने कहा कि सिलेंडर छोड़ने के लिए मजबूर, माताएं और बहनें पारंपरिक चूल्हों की ओर लौटने के लिए विवश हैं, जबकि मोदी सरकार, जो उनकी दुर्दशा पर मगरमच्छ के आंसू बहाती है, सत्ता के नशे में चूर है! कांग्रेस का यह हमला दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 913 रुपये से बढ़कर 942 रुपये होने के कुछ दिनों बाद आया है। पीएमयूवाई योजना के तहत, लाभार्थियों को पहले चार वार्षिक रिफिल पर 300 रुपये प्रति रिफिल की सब्सिडी मिलने के बाद भी प्रभावी रूप से 642 रुपये प्रति सिलेंडर का भुगतान करना होगा। पिछले साल घोषित नौ सब्सिडी वाले रिफिलों की तुलना में इस साल यह राशि कम कर दी गई है।

एमजीएनआरईजीए के तहत काम करने का अधिकार छीना अब निवाला छिन रहे

खरगे ने कहा कि मोदी सरकार के गरीबी उन्मूलन अभियान की वास्तविकता यह है कि पहले तो गरीबों से एमजीएनआरईजीए के तहत काम करने का अधिकार छीन लिया गया और अब तो उनसे भोजन का एक निवाला भी छीना जा रहा है। उज्ज्वला योजना का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा कि 2016 मोदी जी ने दावा किया था कि उज्ज्वला योजना महिलाओं को लकड़ी के चूल्हे के धुएं से मुक्ति दिलाएगी। प्रति वर्ष 12 रियायती सिलेंडर देने का वादा किया गया था। हालांकि, पिछले साल यह संख्या 12 से घटाकर 9 कर दी गई। 2026 अब, रियायती सिलेंडरों की संख्या 9 से और घटाकर मात्र 4 कर दी गई है। संक्षेप में कहें तो, 12 का वादा, लेकिन देने का इरादा सिर्फ 4।

12 साल मोदी के रिकॉर्ड कार्यकाल पर विपक्ष ने किया तीखा प्रहार

» कांग्रेस ने सरकार को घेरा सुरजेवाला बोले- जनता पर महंगाई की दोहरी मार

» एनडीए सरकार कैबिनेट ने सराहना प्रस्ताव पास किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर जहां एनडीए सरकार कैबिनेट ने सराहना प्रस्ताव पास किया है। वहीं कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने करारा प्रहार किया है। कांग्रेस ने भाजपा पर महंगाई को लेकर बड़ा हमला बोला है। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि पेट्रोल, डीजल, गैस और जरूरी सामान की कीमतों ने गरीब और मध्यम वर्ग की हालत खराब कर दी है।

वहीं कांग्रेस नेता कुलदीप सिंह राठौर ने नरेंद्र मोदी और जवाहरलाल नेहरू की तुलना को गलत बताया और कहा कि इतिहास काम से याद रखता है, कार्यकाल की लंबाई से नहीं। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि सरकार अमृतकाल और विकास के दावे कर रही है, लेकिन जमीन पर आम आदमी महंगाई से परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेट्रोल, डीजल, गैस और रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की कीमतों ने गरीब और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी है। कांग्रेस ने कहा कि सरकार विज्ञापनों में अर्थव्यवस्था चमका रही है, जबकि जनता महंगाई की मार झेल रही है।

किसी प्रधानमंत्री का मूल्यांकन उसके कार्यकाल की लंबाई से नहीं बल्कि देश के लिए किए गए काम से होना चाहिए : कुलदीप राठौर

कांग्रेस विधायक और प्रवक्ता कुलदीप सिंह राठौर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से किए

जाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसी प्रधानमंत्री का मूल्यांकन उसके कार्यकाल की लंबाई से नहीं, बल्कि देश के लिए किए गए काम से होना चाहिए। राठौर ने कहा कि नेहरू ने आजाद भारत की नींव रखी, पंचवर्षीय योजनाएं शुरू कीं और बड़े शिक्षण संस्थान बनाए। उन्होंने यह भी कहा कि इतिहास सरकारों को उनके लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और जनता के हित में किए गए कामों के आधार पर याद रखता है।

सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाए?

सुरजेवाला ने कहा कि डबल इंजन सरकार की वजह से जनता पर डबल मार पड़ रही है। उन्होंने

कहा कि ईंधन महंगा होने से परिवहन खर्च बढ़ गया और इसका असर हर चीज की कीमत पर पड़ा। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पहले जिस पैसे में पूरे महीने का राशन आ जाता था, अब उसी रकम में कम सामान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाएं खुद बता रही हैं कि अब उन्हें दाल, तेल और चीनी जैसी चीजें कम मात्रा में खरीदनी पड़ रही हैं।

लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं पीएम मोदी : जयराम रमेश

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भी पीएम मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी

ने भले ही स्वघोषित और संदिग्ध उपलब्धि हासिल कर ली हो, लेकिन वह देश की गर्दन पर चक्की का पाट बन गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के दौर में लोकतंत्र, संस्थाओं और सामाजिक न्याय को कमजोर किया गया है। कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल और उपलब्धियों का जिक्र करते हुए मोदी सरकार पर कई गंभीर सवाल उठाए।जयराम रमेश ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू 15 अगस्त 1947 को प्रधानमंत्री बने थे और उनके साथ सरदार पटेल, डॉ. भीमराव आंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सी. राजगोपालाचारी और मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे बड़े नेता थे। उन्होंने कहा कि 1947 से 1952 के बीच आधुनिक भारत की नींव रखी गई। इसी दौरान 560 से ज्यादा रियासतों का भारत में विलय हुआ, संविधान बना, अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आरक्षण लागू हुआ और बड़े सिंचाई तथा बिजली प्रोजेक्ट शुरू किए गए। कांग्रेस का दावा है कि उस दौर में भारत ने विज्ञान, तकनीक और वैश्विक राजनीति में मजबूत पहचान बनाई।

बंगाल से ममता को फिर झटका

» राज्यसभा सांसद पद से दिया इस्तीफा, हफ्ते में दूसरी बगावत, सुष्मिता देव ने छोड़ी सदस्यता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर मची अंदरूनी कलह और बगावत अब दिल्ली के सियासी गलियारों तक पहुंच गई है। टीएमसी प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी पर पकड़ लगातार कमजोर होती दिख रही है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में बागी नेता रिताब्रता बनर्जी के समर्थन में 61 विधायकों के लामबंद होने के बाद, अब यह असंतोष संसद के उच्च सदन (राज्यसभा) में भी फूट पड़ा है।

पार्टी के बेहद भरोसेमंद और वरिष्ठ सहयोगी सुखेंदु शेखर रॉय के राज्यसभा से

इस्तीफा देने के ठीक एक हफ्ते बाद, बुधवार को टीएमसी की तेजतर्रार नेता सुष्मिता देव ने भी उच्च सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। एक ही हफ्ते के भीतर दो बड़े राज्यसभा सांसदों के इस्तीफे ने ममता बनर्जी के खेमे में हड़कंप मचा दिया है।

सुष्मिता देव देश की राजनीति, विशेषकर उत्तर-पूर्व का एक जाना-माना चेहरा हैं। देव पहले कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ नेता थीं और उन्होंने असम की हाई-प्रोफाइल सिलचर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया था। साल 19 के लोकसभा चुनाव में हार का सामना करने के बाद, उन्होंने कांग्रेस आलाकमान से मतभेदों के चलते 21 में पार्टी छोड़ दी और तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गईं।

गद्दारों को सड़क पर ही जूतों से पीटो : राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मंगलवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर गहराते संकट के बीच बागी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं पर तीखी टिप्पणी करके विवाद खड़ा कर दिया।

टीएमसी के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद कीर्ति आजाद का बागी खेमे पर हमला करते हुए एक वीडियो को दोबारा साझा करते हुए, शिवसेना नेता ने सुझाव दिया कि बागियों को, जिन्हें उन्होंने गद्दार बताया, सड़क पर ही जूतों से पीटा जाना चाहिए। राउत ने एक्स पर लिखा कि महान कीर्ति आजाद, ऐसे गद्दारों को सड़क पर ही जूतों से पीटना चाहिए।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने पर महासंग्राम

» विपक्ष ने चुनाव आयोग व भाजपा को घेरा

» स्मृति ईरानी के हलफनामे पर चुप्पी क्यों : प्रियंका चतुर्वेदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन खारिज होने के बाद राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने चुनाव आयोग और बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि स्मृति ईरानी के हलफनामों में कथित विसंगतियों को नजरअंदाज किया गया, जबकि

नटराजन का नामांकन मामूली शिकायत के आधार पर रद्द कर दिया गया।

कांग्रेस समेत विपक्ष के अन्य दल और चुनाव आयोग के बीच टकराव तेज हो गया है। कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने की कोशिश बताते हुए बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं अब इस मामले पर शिवसेना (यूबीटी) की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने स्मृति ईरानी का जिक्र करते हुए चुनाव आयोग और बीजेपी पर हमला बोला है। कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र खारिज होने के बाद पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर बीजेपी और चुनाव आयोग पर हमला बोला। उन्होंने बीजेपी नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का जिक्र करते हुए कहा, स्मृति ईरानी लोकसभा हलफनामों में अपनी तीन अलग-अलग शैक्षणिक योग्यताएं बताकर चुनाव लड़ सकती हैं और आयोग उसे नजर अंदाज कर देता है, लेकिन नटराजन का नामांकन रद्द कर दिया जाता है। प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर लिखा- बीजेपी की स्मृति ईरानी अपने लोकसभा हलफनामों में तीन अलग-अलग शैक्षणिक योग्यताएं बताकर चुनाव लड़ सकती हैं और चुनाव आयोग उनकी सभी शिकायतों को नजरअंदाज कर देता है, लेकिन कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन रद्द कर दिया जाता है। क्योंकि उनके हलफनामे में किसी ऐसी मामूली शिकायत का जिक्र नहीं था, जिसके लिए न तो कोई FIR हुई थी और न ही उन्हें चुनाव आयोग के सामने अपनी बात रखने का कोई मौका मिला था।

बीजेपी ने जताई थी आपत्ति

इससे पहले दिन में, चुनाव से पहले रिसॉर्ट स्टे रणनीति के तहत अपने विधायकों को बेंगलुरु भेजने के प्रयास में पार्टी को भोपाल हवाई अड्डे पर बाधा का सामना करना पड़ा। इसी बीच, भाजपा ने नटराजन के नामांकन पत्र पर गंभीर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने तेलंगाना की अदालत में लंबित एक मामले की जानकारी छिपाई है।

चुनाव आयोग से मिला कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल

कांग्रेस पार्टी ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार देते हुए आरोप लगाया कि यह अब 'वोट चोरी' का मामला नहीं रहा, बल्कि 'सीट चोरी' का मामला बन गया है। पार्टी इस प्रकरण को लेकर लगातार माथापच्ची में जुटी है। बुधवार को पार्टी का एक डेलिगेशन इस मुद्दे पर चुनाव आयोग से मिला है। यही नहीं पार्टी आगे कानूनी विकल्पों पर भी विचार कर रही है। मामले को अदालत में चुनौती देने का भी फैसला किया है। कांग्रेस इस मुद्दे को हाईकोर्ट में चुनौती देगी या सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी, इस बारे में उसके नेताओं ने कुछ भी स्पष्ट नहीं बताया लेकिन वरिष्ठ अधिवक्ता और पार्टी के राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा ने सुझाव दिया कि यह ऐसा मामला है जिसे सीधे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जानी चाहिए। उधर, कांग्रेस ने भोपाल में राज्य निर्वाचन आयोग के बाहर प्रदर्शन भी किया। दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व ने चुनाव आयोग से मुलाकात की और इस मुद्दे पर अपनी आपत्तियां जताई है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com |website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा